

बैठे थे कबसे मैया तेरे इंतजार में
 अब जाके खुशियाँ आई मेरे संसार में
 चरणों से अयने लगाये रखना SSSS मर्क
 मेरी मर्क SSSS बोलो ना SSSSSS
 बोलो ना SSSSSS बोलो ना SSSSSS
 विधियाँ जीने की पाई, मैंने बड़े प्यार से
 अँखियों में आँसू आये, मर्क के दुलार से
 इसके सिवा SSSSSS कोई राह नहीं
 जीवन गुजारूँगा अब हँसती बहार में SSSS
 चरणों से अयने लगाये रखना SSSS ॥२॥
 मेरी मर्क SSSSSSSS बोलो ना SSSSSS
 बोलो ना SSSSSSSS बोलो ना SSSS
 बैठे थे कबसे -----

धोखा ही धोखा खाया-जग के व्यवहार में
चरणों से अपने लगाये रखना sssss ॥२॥

मेरी माँ ५५५५५५५५ बोलो ना ५५५

बोलो ना ३३३३३३ बोलो ना ३३३

बूँटे थे कबसे-----

सत्य तो "श्रीबाबा श्री" पाया, धर्म का भी ज्ञान दो

जीवन से मुक्ति मिले, ऐसा वरदान दो

इसके सिवा कोई राह नहीं

मस्तक झुकाये खड़े मन्दिर के द्वार में ३३४

चरणों से अपने लगाये रखना ३३ ३३ ॥२॥

मेरी सखी ५३३३३३३३ बोली ना ५३३

बोलो ना ५५५५५५ बोलो ना ५५५

भोली मर्दानगी भूलो ना... बेंठे थे कबसे-----